32 PAGES ANSWER BOOK

विषय Subject: HINDI

विषय कोड Subject Code: 051

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam: 020323

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper: HINDI

प्रश्न पत्र का सेट
Set of the Question paper: BA

गोले भरने हेतु उदाहरण :-
सही तरीका :- ● ○ ○ ○
गलत तरीका :- ⊗ ⊘ ○ ◐ ◉ ○

नोट :-
इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के पीछे दिए गए उदाहरण को देखें।

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

CHANDRA MOHAN RAI (UMS)
V.No.6223007

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा

उप मुख्य परीक्षक एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
रमेश कुमार नामदेव, उ. मा. शिक्षक, शा. उ. मा. वि. रामनगर	जे. एल. यादव (उमा शि.) शा. उ. मा. वि. समुदपुर V.No. 6223319

ID NO. 6608469
SUB. 051 - HINDI pkt. 5
Bag. 60511164

ST

② [ ] + [ ] =

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 2 के अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक

(i) (अ) चार कालों में

(ii) (द) कपड़े पहनाती है

(iii) (स) पैसे की

(अ) दत्ताजी राव के यहाँ

(ब) नाभिक

(vi) (स) शब्दालंकार

S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक : 02

(i) कागज के पन्ने से

(ii) बिड़ला मन्दिर

(iii) सरल वाक्य

(iv) मात्रिक

(v) लेखक

(vi) नौ वर्ष की उम्र

(vii) भूषण

—॥—

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

"क" "ख"

(i) हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग - भक्तिकाल

(ii) छायावाद के प्रवर्तक कवि - हरिवंशराय बच्चन

(iii) मस्ती का सन्देश - जयशंकर प्रसाद

(iv) चौपाई छन्द - 16 मात्राएँ

(v) चित्रकार - चितेरा

(vi) सम्पादकीय पृष्ठ - अखबार की अपनी आवाज

(ii) छायावाद के प्रवर्तक कवि - जयशंकर प्रसाद

(iii) मस्ती का सन्देश - हरिवंशराय बच्चन

—||—

B
S
E

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 04

(i)
उत्तर ÷ सोरठा छन्द मात्राओ की दृष्टि से दोहा छन्द का उल्टा होता है।

(ii)
उत्तर ÷ ऐसा लघु वाक्यांश जिसके प्रयोग से भाषा मे सौन्दर्य उत्पन्न होता, मुहावरा कहलाता है।

(iii)
उत्तर ÷ रेडियो नाटको मे पात्रो की पहचान संवाद या ध्वनि के माध्यम से होती है।

(iv)
उत्तर :- सिन्धु-घाटी सभ्यता मे खजूर, खरबूजा व अंगूर के फल उगाए जाते थे।

(v)
उत्तर ÷ लुट्टन पहलवान पहलवान की ढोलक की आवाज मृत-गाँव मे संजीवनी शक्ति भरती रहती थी।

B
S
E

ARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, M ... BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(vi)

उत्तर :- "चन्द्रगुप्त" जयशंकर प्रसाद की नाट्य रचना है।

(vii)

उत्तर :- कवि ने स्लेट पर लाल खड़िया चॉक मलने की बात कही है।

—॥—

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

(vi) असत्य

—— || ——

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक : 06 का उत्तर

उत्तर :- कवि ने अपने ~~रव~~ कागज रूपी खेत के पन्ने पर शब्द रूपी बीज बोया था, क्योंकि कवि ने खेती के रूपक मे कवि कर्म को कृषि कर्म के रूप मे माना था। उसका कागज का पन्ना ~~छ~~ छोटे ~~चौ~~ चौकोर खेत के समान है।

—————— || ——————

प्रश्न क्रमांक :- 07 का उत्तर

उत्तर :- लक्ष्मण - मेघनाद युद्ध लक्ष्मण जी को शक्ति लग जाने पर सुषेन ~~वेद~~ वैद्य की सलाह पर हनुमान जी संजीवनी बूटी लाने के लिए गये थे।

BSE

9

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 08 का उत्तर

उत्तर :- जब व्यक्ति की जेब भरी और मन खाली हो, तो वह अपनी अंह की सन्तुष्टी एवं पर्चेजिंग पावर को दिखाने के लिए अनुपयोगी वस्तुओ को खरीद लेता है जिसे उसका मनीवेग खाली हो जाता है। और व्यक्ति को बाद मे पछतावा होता है।

प्रश्न क्रमांक - 09 का उत्तर

उत्तर :- महादेवी वर्मा ने स्वयं व भक्तिन के मध्य सेवक - स्वामी के सम्बन्ध को नकारा है। क्योंकि नौकरी की तलाश मे आई भक्तिन बाद में महादेवी की अभिन्न छाया बन गई थी। वह सुख - दुख, हानि - लाभ हर परिस्थिति मे महादेवी वर्मा के साथ खड़ी रहती थी।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 10 का उत्तर

उत्तर :- मोहनजोदड़ो के घरो की निम्नलिखित विशेषताएँ थी।

1. अधिकांश घरो की बनावट मे समानता थी। घरो के बीचो-बीच आँगन तथा चारो ओर कमरे होते थे।
2. घरो मे पक्की ईटो से बना स्नान घर होता था, जिसका जलनिकास दीवारो के नीचे से होता हुआ मुख्य नालीयो से मिल जाता था।
3. घरो के मुख मुख्य सड़क की ओर नही खुलते थे।

—— ॥ ——

B
S

(11)

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 11 का उत्तर

उत्तर :- फिल्म और रंगमंचो पर दृश्यो की छतों की सजावट की जाती है। रंगमंचो पर आकर्षक वस्तुओं व मन लुभाने वाली प्रतिमाएँ लगाई जाती है। नए-नए दृश्य दिखाए जाते व मनमोहक ध्वनियो का उपयोग किया जाता है। ताकि फिल्म वा रंगमंचो के दृश्यो को प्रभावशील बनाया जा सके।

—— ॥ ——

ST-16 A4

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -12 का उत्तर

परिभाषा ÷

"जब रूप, रंग एवं गुण आदि की विशेष समानता को देखकर यह निश्चित ना किया जा सके की यह वही वस्तु है, तब वहाँ सन्देह अलंकार होता है।"

B

उदाहरण ÷

सारी बीच नारी है, कि नारी बीच सारी है।
के सारी ही की नारी है, कि नारी ही की सारी है॥

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 13 का उत्तर

परिभाषा :-

" जिस शब्द शक्ति के कारण शब्द का प्रचलित अथवा मुख्यार्थ का बोध ना होकर, अन्य संबंधित अर्थ का बोध होता है, तो वहा लक्षणा शब्द शक्ति होती है।"

उदाहरण :-

सिंहासन हिल उठे, राजवंशो ने भृकुटी तानी थी।
बूढ़े भारत मे भी आई, फिर से नई जवानी थी।।

प्रश्न क्रमांक - 14 का उत्तर

राष्ट्र भाषा की दो विशेषताएँ निम्नलिखित है।

1. राष्ट्रभाषा संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त पूरे राष्ट्र की सम्पर्क भाषा होती है। इसे जनता की भाषा भी कहते है।

2. राष्ट्र भाषा की शब्दावली विस्तृत तथा क्षेत्र व्यापक होता है। इसका उपयोग अन्य राष्ट्रो से सम्पर्क स्थापित करने मे किया जाता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 15 का उत्तर

वाक्य परिवर्तन :

(i)

उत्तर :- क्या लता गा रही है ?

(ii)

उत्तर :- आदमी का हवा मे उड़ना सरल नहीं है।

—॥—

...BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL ... BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL, BOARD...

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 16 का उत्तर

हरिवंशराय बच्चन

(i) दो रचनाएँ - 1. मधुशाला
2. मधुबाला

(ii) भावपक्ष :

बच्चन जी हालावादी कवि है हालावाद के साथ रहस्यवादी वाद भावना का अद्भुत एवं अनूठा संगम ~~अप~~ आपकी रचनाओं मे देखने को मिलता है। आपके काव्य मे प्रेम एवं मस्ती की नवधारा प्रवाहित हुई है। ~~आपक~~ आप सामाजिक चेतना के सुप्रसिद्ध कवि है।

कलापक्ष :

आपकी भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। जिसमे तत्सम शब्दावली का अनूठा समायोजन है। आपने मुख्यतः गीति एवं प्रांजल शैली को अपनाया है। आपने काव्य को अलंकृत करने के लिए अनुप्रास, मानवीकरण, उपमा, रूपक आदि अलंकारो का प्रयोग किया है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

(iii)

साहित्य मे स्थान :-

हालावाद के प्रवर्तक हरिवंशराय बच्चन जी शुष्क एवं नीरस विषयो को सरस ढंग से ~~प्रस~~ प्रस्तुत करने मे सिद्धस्त थे। आपकी कालजयी रचनाओ के लिए हिन्दी साहित्य सदैव आपका ऋणी रहेगा। आपका नाम सदैव सम्मान से लिया जाएगा।

—॥—

E

CATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATIO ... BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 14

धर्मवीर भारती

(i) दो रचनाएँ - 1. अंधायुग
2. गुनाहों का देवता

B S E

(ii) भाषा :-
नवीन ~~शिल्प~~ शिल्पो के कवि होने के नाते आप भावो को व्यक्त करने के लिए किसी विशेष भाषा का प्रयोग नही करते बल्कि स्वयं की भाषा को अपनाते है। आपकी भाषा मे सरलता, सहजता, सजीवता एवं आत्मीयता का पुट है, जिसके कारण आपकी भाषा बोलचाल की खड़ी बोली है। आपकी भाषा मे अंग्रेजी व संस्कृत, फारसी एवं उर्दू की शब्दावली का प्रयोग हुआ है।

शैली →
आपकी रचनाओ मनोवैज्ञानिक, भावात्मक वर्णनात्मक, एवं हास्य व व्यंग्य शैली का सफल प्रयोग हुआ है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) ~~साहित्य~~ साहित्य मे स्थान :-

स्वच्छन्द प्रवृत्ति, तीक्ष्ण आधुनिक दृष्टि एवं व्यक्तिवादी चेतना के लिए सुप्रसिद्ध भारती जी हिन्दी साहित्य मे सदैव स्मरणीय रहेंगे। आपकी साहित्य कृतियों के लिए आपको पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

—॥—

S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र. उत्तर

राहुल → क्यो मित्र नितिन आज तुमने भारत और ~~पाकि~~ ~~इग्लैंड~~ इग्लैंड का क्रिकेट मैच देखा ।

नितिन → हाँ मित्र । अत्यधिक ~~सेमा~~ रोमांचक मुकाबला हुआ दोनो टीमो मे ।

राहुल → अरे ! नितिन क्रिकेट का मजा ही यह है ।

नितिन → सही ~~था~~ कहा तुमने , मुझे जिसमे विराट कोहली की पारी देखकर मजा ही आ गया ।

राहुल → हाँ भाई , उस खिलाडी का खेलने का तरीका ही निराला है ।

नितिन → हाँ ~~बे~~ . तभी इस समय दुनिया का नम्बर एक खिलाडी बन चुका है ।

राहुल → सही बात है । अच्छा मित्र चलता हूँ , मुझे बाजार जाना है ।

नितिन → ठीक है मित्र , फिर मिलते है ।

B
S
E

www.oddyindia.com

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 19 का उत्तर

प्रश्न :-

(क) शीर्षक

उत्तर :- "हम हसँना सीखे"

(ख)

उत्तर :- "हास्य - व्यंग्य" नीरस जीवन को भी सुखद बना देता है।

(ग)

उत्तर :- हसँना जीवन मे अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि जिसने कभी हसँना नही सीखा, सचमुच उसने जीना नही सीखा। हास्य का जादू इतना प्रभावशाली होता है, कि वह मनुष्य को संघर्ष, तनाव, घुटन आदि से मुक्त कर देता है। मनुष्य जीवन मे कई मुसीबतें है, यदि हमने इनसे निपटना है। तो हमे हसँना सीखना चाहिए।

CATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION ... BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 20 का उत्तर

सन्दर्भ → प्रस्तुत पंद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक "आरोह भाग - 2" मे संकलित कविता बादल राग से अवतरित है। इसके रचयिता "सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला" जी है।

प्रसंग → प्रस्तुत पंक्तियों मे कवि निराला जी ने प्रगतिवादी स्वर मे दीन, हीन, शोषित उपेक्षित वर्ग के शोषण से व्यथित होकर बादलों को क्रान्ति दूत मानकर क्रान्ति का आह्वान किया है।

व्याख्या → कवि क्रान्ति के प्रतीक बादलों को आकाश मे उमड़ते घुमड़ते देखकर कहते है। कि हे क्रान्ति के बादल जिस प्रकार हवा समुद्र की लहरो पर तैरती है उसी प्रकार दीन-दलितो के अस्थिर सुख पर दुख की छाया मंडराती रहती है। ठीक वैर उसकी प्रकार दबे-चिपटे लोगो के तप्त हृदय पर तेरी दया रहित माया छायी हुई है। यह तेरी युद्ध की नौकाएँ नौकाएँ सदैव से ही दुखी - पीड़ित लोगो की आशाओ से भरी हुई है। वे तेरी घनघोर गर्जना को सुनकर सुख समृद्धि के सपने देखने लगते है। वे तेरी क्रान्ति की

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

बाहर पाकर ठीक उसी प्रकार अपने
घरो से बाहर झाकने लगते है, जिस
प्रकार भूमि के गर्भ मे सोया सोया
कोई नवांकुर पानी की चाह मे
पृथ्वी से झाकने लगता है। अर्थात
सुख निवान अस्थायी है।

ST-16A4

S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 21 का उत्तर

सन्दर्भ → प्रस्तुत पंक्ति गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग - 2 मे संकलित निबंध बाजार दर्शन से अवतरित है। इसके रच लेखक जैनेन्द्र कुमार जी है।

प्रसंग → प्रस्तुत गद्यांश मे कवि ने पैसे की पावर अर्थात पर्चेजिंग पावर को दिखाने की बात कही है।

व्याख्या → प्रस्तुत गद्यांश मे लेखक जैनेन्द्र कुमार जी ने पैसे को पवार अर्थात शक्ति की संज्ञा दी है। आगे वे कहते है कि अगर व्यक्ति के पास अधिक धन है, और वह उसकी शक्ति का दिखावा करने के लिए वस्तुओ को जमा ना करे तो वह किस काम का है। आगे वे कहते है अगर व्यक्ति का धन देखना है तो उसका बैंक का खाता व हिसाब देखिए, अन्यथा माल - सामान, घर - कोठी तो बिना देखे ही दिख जाते है। पैसे के इसी पार्चेजिंग पावर अर्थात क्रय करने की शक्ति को के प्रयोग मे ही पावर का आनन्द अर्पित रस है।

BSE

प्रश्न क्र.

छात्रावास
इन्दोर (म.प्र.)

दिनॉक - 02 मार्च 2023

पूजनीय पिताजी
सादर चरण स्पर्श।
मुझे आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपने मेरी परीक्षा की तैयारी के विषय मे पूछा है। मैने अपने सभी विषयो को भली प्रकार से पूर्ण कर लिया है। अंग्रेजी व गणित के अध्यायो मे मुझे कठिनाई आ रही है। जिसमे मै अपने संबंधित शिक्षको से सहायता ले रहा हूँ। साथ ही पूर्ण हो चुके पाठ्यक्रम को इस दृष्टि से पुनः अवलोकन कर रहा हूँ ताकि अंको का प्रतिशत बढ़ सके।

आप ~~निश्चिन्त~~ निश्चिन्त रहिए मै निश्चित ही प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण ~~करूंगा~~ करूंगा। अधिक क्या।
माता जी को मेरा प्रणाम कहिए और राहुल को प्यार।

आपका पुत्र
अनुज कुमार ठाकुर

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

पर्यावरण की सुरक्षा :-

प्रस्तावना :- वर्तमान समय मे बढ़ी हुई भौतिकता ने अनेक सुख - सुविधाओं के प्रति मनुष्य को आकर्षित कर दिया है। जिसके परिणामस्वरूप मनुष्य पर्यावरण के सन्तुलन को भूलकर अविवेक पूर्ण रूप से पर्यावरण का दोहन करते जा रहा है। जिसका परिणाम प्रदूषण है, जो पर्यावरण को दूषित करने मे किसी प्रकार की कसर नही छोड़ रहा।

पर्यावरण को हानिया → वैज्ञानिक आविष्कारो आधुनिकता एवं वृक्षो की अंधाधुन्ध कटाई पर्यावरण को सबसे अधिक हानि पहुंचा रही है। इसके अलावा अलावा बढ़ती हुई जनसंख्या ने पर्यावरण को इतना प्रदूषित कर दिया है. जीवन के स्थान पर मृत्यु अधिक दृष्टिगोचर है।

पर्यावरण की सुरक्षा के उपाय → आज राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सरकारो देश - विदेश की सरकारो द्वारा पर्यावरण को

B
S
E

प्रश्न क्र.

सुरक्षित व सन्तुलित बनाए रखने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे है। इसी पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भारत सरकार "वन महोत्सव", "स्वच्छ भारत अभियान" जैसे आन्दोलन चला रही है ताकि पर्यावरण के दोषपूर्ण उपयोग को कम किया जा सके।

B
S
E

~~प्रदूषण प्रदूषण पर्यावरण का स शत्रु~~

दूषित पर्यावरण से हानियाँ → पर्यावरण प्रदूषण से अनेक हानियाँ है। पर्यावरण असन्तुलन मानव समाज के लिए अभिशाप बन गया है। इसके कारण हमारी जीवन शक्ति का धीरे-धीरे ह्रास होता जा रहा है। हमारी ज्ञानेन्द्रियाँ भी निष्क्रिय होती जा रही है।

उपसंहार → पर्यावरण की यदि अब सुरक्षा नहीं की गई तो पर्यावरण असन्तुलन से होने वाली हानियाँ सम्भवतः ही मानव समाज और इस पृथ्वी को नष्ट कर देगी। अत: हमारा परम कर्तव्य भी है की हम पर्यावरण की सुरक्षा के लिए

...CATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION... BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD...

प्रश्न क्र.

अथक प्रयास कर ।

BSE